Statement

S. No.	Period	Name of exhibition	Results achieved.	
			Exhibits Sold	Business finalised/ spot orders booked
			(Rupees in lakhs)	
1	1977-78	Indian Trade Exhibition, Kuala Lumpur (Malaysia), April, 1977	10·42	39·80
2	Do.	Buyer-Seller Meet, Chicago, USA } August—Sept. 77	..	990·00
3	Do.	Buyer-Seller Meet, Los Angeles, USA }	..	580·00
4	1978-79	Indian National Exhibition, Moscow (USSR), August, 1978	26·87	454·00
5	Do.	Buyer-Seller Meet Cologne, (West Germany) Oct. 1978	..	513·50
6	Do.	Buyer-Seller Meet, Copenhagen, (Denmark)	..	251·00
7	Do.	India Garments Fair Tokyo (Japan), Feb. 1979	..	150·00
8	1979-80	Indian Industrial Exhibition, Manila, (Philippines), March, 1980	9·60	32·50
9	Do.	Buyer-Seller Meet, Tokyo (Japan), Oct.—Dec. 1979	..	112·00
10	Do.	Buyer-Seller Meet, Birmingham, (U.K.), March, 1980	..	300·00

रिजर्व बैंक आफ इण्डिया द्वारा करेंसी नोटों की छपाई

4539. श्री निहाल सिंह : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रिजर्व बैंक आफ इंडिया और भारत सरकार द्वारा 1 फरवरी, 1980 से 31 अक्तूबर, 1980 तक एक-रुपये, दो-रुपये, पांच रुपये, दस-रुपये, पचास रुपये तथा 100-रुपये के कितने कितने करेंसी नोट छापे गये ; और

(ख) क्या यह करेंसी नोट सरकार के नियमों के अनुसार निर्धारित संख्या में छापे गये थे और यदि नहीं, तो करेंसी नोट उनकी निर्धारित संख्या से अधिक छापने के क्या कारण थे ?

वित्त मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मगनभाई बारोट) : (क) तथा (ख). भारत सरकार की ओर से एक रुपया का नोट तथा भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से अन्य मूल्य-वर्गों के नोट करेंसी नोट प्रेस, नासिक तथा बैंक नोट प्रेस, देवास में उन्हें भेजे गए छमाही मांग पत्रों (इंडेंट्स) के आधार पर छापे जाते हैं। एक फरवरी, 1980 से 31 अक्तूबर, 1980 की अवधि के बीच इंडेंट किए गए नोटों की संख्या तथा प्रेसों द्वारा वास्तव में छापे गये नोटों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है :—

(संख्या लाख में)

मूल्य वर्ग	मांग-पत्र (इंडेंट)			1-2-80 से 31-10-80 की अवधि के दौरान वास्तव में छापे गए
	1979-80	1980-81		
	दूसरी छमाही	पहली छमाही	दूसरी छमाही	
	(अक्टूबर 79- मार्च 80) (6 महीने)	(अप्रैल 80- सितम्बर 80) (6 महीने)	(अक्टूबर 80-मार्च 81) (6 महीने)	(9 महीने)
एक रुपया	4500	4500	4500	6720
दो रुपए	7500	8500	10000	12820
पांच रुपए	4500	4500	4500	6380
दस रुपए	6000	6500	6000	7910
बीस रुपए	1500	1500	1000	2030
पचास रुपए	1000	1000	1000	1240
सौ रुपए	2000	1500	1500	1980
जोड़	27000	28000	28500	39080

उपर्युक्त विवरण से यह पता चलेगा कि फरवरी 80 से अक्तूबर 80 तक के नौ महीनों की अवधि के दौरान कुल मिलाकर वास्तव में छापे गए नोटों की संख्या इंडेंट किए गए नोटों की संख्या की तुलना में कम थी।

Scheme to Meet Shortage of Raw Materials

4550. SHRI SOMNATH CHATTERJEE: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether Government have made any scheme (long and short term) to face critical situation due to shortage of steel, aluminium and other raw materials that results from coal and power shortages, and which in turn, affect industrial production in sectors dependent on these raw materials;

(b) if so, the details of the scheme; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF COMMERCE AND STEEL AND MINES (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) to (c). Government have taken steps to augment the indigenous availability of steel, both long-term and short-term.

As regards steel, the Import policy has already been liberalised. The Steel Authority of India Ltd. is planning to import 692,000 tonnes of steel under the buffer scheme. Ade-